प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से ही बचेगी धरती

प्रकृति में हर जीव की भूमिका, असंतुलन से विनाश की आशंका

जागरण संवाददाता, पटना : प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण देकर ही हम धरती एवं मानव जाति को बचा सकते हैं। प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन किसी के हित में नहीं है। इससे मानव जाति के समक्ष कई तरह का संकट खड़ा हो सकता है। प्रकृति में हर जीव की महत्वपूर्ण भूमिका है। ये बातें रविवार को राज्य जैव विविधता पर्षद के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में राज्य के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के मंत्री नीरज कुमार सिंह ने कहीं। वे जैविक उद्यान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मंत्री ने बिहार हैरिटेज ट्री एप लांच किया। साथ ही रविवार को जैव विविधता का लोगो भी जारी किया। मंत्री ने कहा कि सरकार एवं समाज दोनों को जैव विविधता के प्रति संवेदनशील रहने की जरूरत है। सरकार अपने स्तर से हर संभव कदम उठा रही है। खासकर पेड़ों की कटाई को लेकर लोगों में जागरूकता की जरूरत है। पेड़ों की सुरक्षा से ही वातावरण स्वच्छ रह सकता है। इस अवसर पर मंत्री ने विभिन्न स्कूलों से आये बच्चों को पुरस्कृत कर जैव विविधता के संरक्षण के लिए प्रोत्साहित किया।

चिड़ियाघर में आयोजित जैव विविधता कार्यक्रम में पुरस्कृत किए गए प्रतिभागी बच्चों के साथ वन एवं पर्यावरण मंत्री नीरज कुमार सिंह व अन्य। • जागरण

जैव विविधता पर्षद की ओर से पिछले दिनों क्विज एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। मौके पर आये अतिथियों का स्वागत जैव विविधता पर्षद के अध्यक्ष डा.डीके शुक्ला ने किया।

इस अवसर पर विभाग के प्रधान सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने कहा कि बच्चों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता समाज के लिए शुभ संकेत है। समारोह के विशिष्ट अतिथि एवं भारतीय वन सेवा के अवकाश प्राप्त अधिकारी पी.आर.सिन्हा ने कहा कि 1972 में पहली बार स्टॉकहोम में पर्यावरण सुरक्षा की बात प्रमुखता से उठाई गई थी।

आम जन जैव-विविधता को बनाए रखने में करें सहयोग

जासं, पटना : पटना नगर निगम के जैव-विविधता प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डा. आशीष कुमार सिन्हा ने निगम क्षेत्र के आम जनों से जैव-विविधता को बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। कहा कि पर्यावरण संतुलन के लिए जैव-विविधता जरूरी है। विलुप्त हो रहे पेड़-पौधे व जीव-जन्तु को संरक्षित करने की जरूरत है। डा. सिन्हा ने कहा कि बढ़ता प्रदूषण मानव जीवन के लिए खतरा है।

जलवायु परिवर्तन के चलते पर्यावरण में विशेष बदलाव

जागरण संवाददाता, पटना : भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय पटना के कार्यालय में अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के मौके पर जैव-विविधता, पोषण, सुरक्षा और मानव कल्याण विषय पर चर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पीआईबी के सहायक निदेशक संजय कुमार थे।

कार्यक्रम में पटना विश्वविद्यालय, पटना वीमेंस कालेज, पटना और किलकारी के बच्चों ने हिस्सा लिया। संस्थान के वरीय वैज्ञानिक और प्रभारी अधिकारी डा. गोपाल शर्मा ने कहा कि दुनिया भर में जैव विविधता तेजी से घट रही है। इसके नुकसान को रोकने के लक्ष्यों को अभी तक हासिल नहीं किया जा सका है। आगे जैव विविधता के नुकसान को बचाने के लिए, क्षेत्र-आधारित संरक्षण नए जैव विविधता लक्ष्यों के हिस्सा बनेंगे। जो कि दुनिया भर की जैव विविधता [illegible] के लिए अहम हैं। संजय कुमार ने कहा कि आज के दौर में जैव-विविधता विषय पर ध्यान देने की जरूरत है। क्योंकि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन के चलते पर्यावरण में विशेष बदलाव हुआ है और हो रहा है।

संजय कुमार लिखित पुस्तक [illegible] का विमोचन करते अतिथि। • जागरण